विप्लव गायन

प्र.1) रिक्त स्थानों की पूर्ती करें।

अ) कवि, कुछ ऐसी तान सुनाओ-

आ) सावधान! मेरी वीणा में चिनगारियाँ आन बैठी हैं।

इ) कंठ रुका है महानाश का

ई) झाड़ और झंकाड़ दग्ध है

उ) रुद्ध - गीत की क्रुद्ध तान है निकली मेरे अंतस्तर से।

ऊ) रोम - रोम गाता है वह ध्वनि

ऐ) भ्रू - विलास में महानाश के पोषक सूत्र परख आया हूँ।

प्र.2) तुकांत शब्द लिखें।

अ) जाए - आए

आ) इधर - उधर

इ) स्वर - अंतरतर

ई) पोषक - लोचक

उ) सुनाओ - बुलाओ

ऊ) तान - मान

ऐ) ध्वनी - चिंतामणी

ऐ) उथल - पुथल

प्र.3) एक - एक वाक्य में उत्तर लिखें।

अ) कवि को कैसी तान सुनाने के लिए कहा है?

जिस तान से उथल - पुथल मच जाए ऐसी तान कवि को सुनाने कहा है।

आ) वीणा में कौन आकर बैठा है?

वीणा में चिनगारियाँ आके बैठी हैं।

इ) कवि को कैसा गाना गाना है?

कवि को समाज में बदलाव आए ऐसा गीत गाना है।

ई) क्रांती से आनेवाले बदलाव हमें क्या दे सकते हैं?

क्रांती से आए बदलाव हमें कष्ट दे सकते हैं।

उ) समाज में जब जब बदलाव की कोशिश हुयी है तो क्या हुआ है?

समाज में जब बदलाव के लिए आवाज उठाई गयी है तब उस

आवाज को दबाने की कोशिश हुयी है।

ऊ) कवि के मन में किसके प्रति क्षोभ है?
कवि के मन में सामाजिक बुराईयों के प्रति क्षोभ है?

ऋ) सामाजिक बदलाव की तान दोगुने जोर से शुरू करने पर क्या होगा?
सामाजिक बदलाव की तान दोगुने जोर से शुरू करने पर सामाजिक कुरीतियां समाप्त हो जाएगी।

ए) संसार के कण-कण में क्या समाया है?
संसार के कण-कण में क्रांती के गीत समाये है।

ऐ) नए समाज का निर्माण कब होगा?
समाज के विचार और नजरिया बदलेगा तब नए समाज का निर्माण होगा।

प्र.५) दिए गए शब्दोंके अर्थ लिखें।

अ) हिलोरे - बदलाव
आ) मिजराबें - सितार बजाने का छल्ला
इ) कंठ - गला
ई) महानाश - विनाशक
उ) मारक - मारनेवाला
ऊ) रुद्ध - रोका हुआ
ए) ज्वलंत - जलता हुआ
ऐ) पोषक - पोषण करनेवाला